AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

A Co-educational Post Graduate College Accredited 'A++' Grade by NAAC with CGPA 3.57
College with Potential for Excellence (CPE) Status by UGC
Mentor Institution under 'PARAMARSH' Scheme of UGC in 2019
ISO 9001:2015 & ISO 14001:2015 Certified
(Affiliated to M.D. University, Rohtak)

Estd. 1971

स्रोत

2019-20

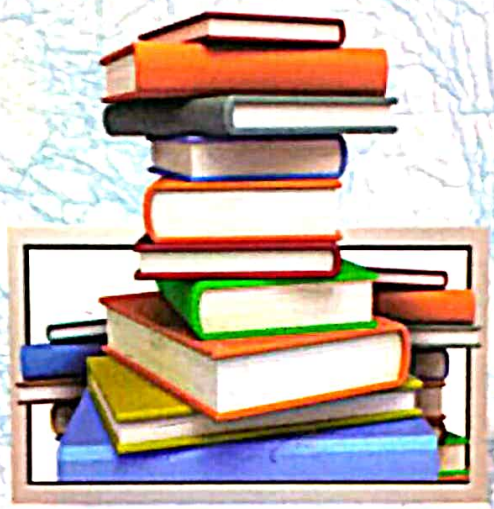

किरण आनन्द
मुख्य संपादक

डॉ. कृष्ण कान्त गुप्ता
प्राचार्य एवं संरक्षक

AGGARWAL COLLEGE BALLABGARH

A Co-educational Post Graduate College Accredited 'A++' Grade by NAAC with CGPA 3.57
College with Potential for Excellence (CPE) Status by UGC

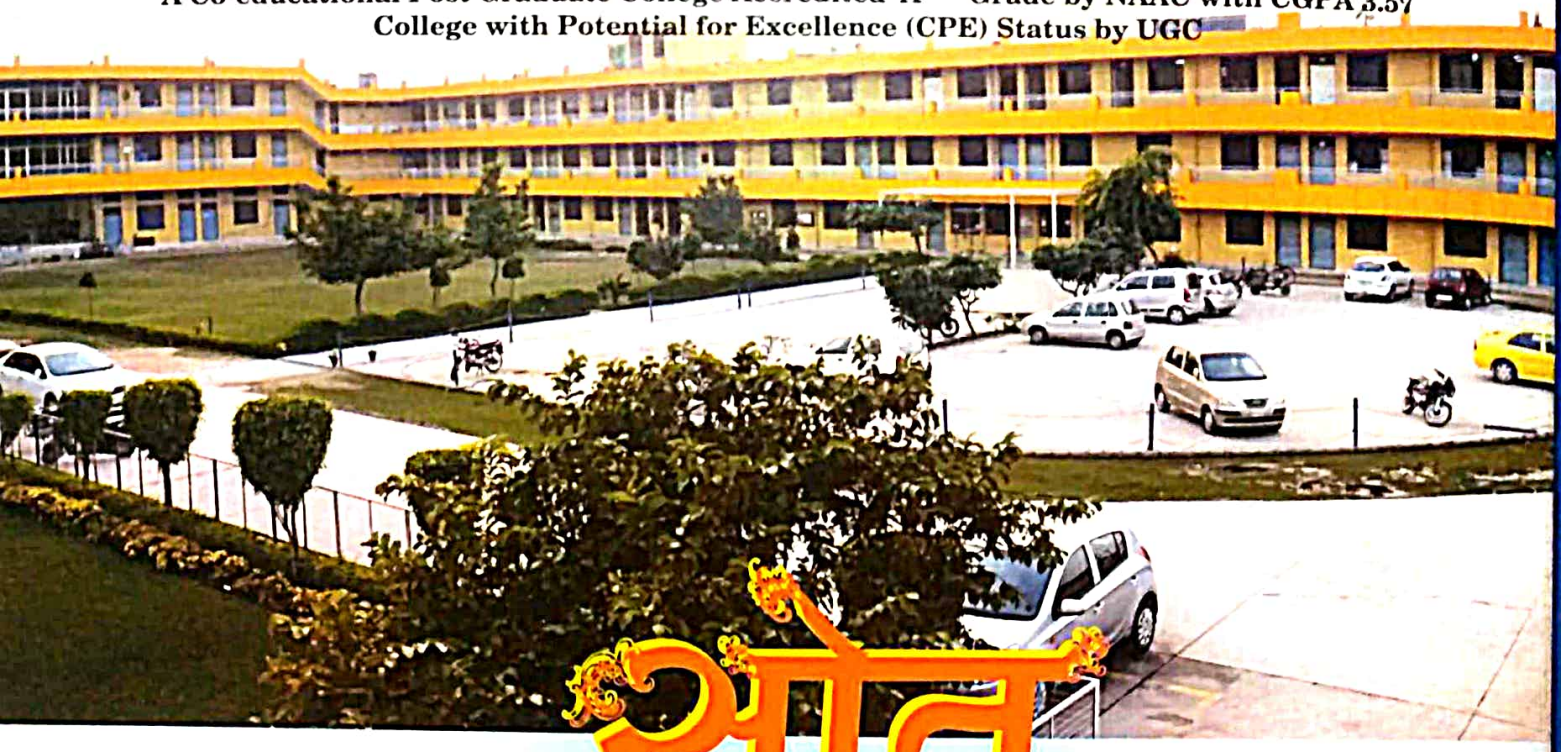

स्रोत

2019 - 20

Principal & Patron
Dr. Krishan Kant Gupta

Editor-in-Chief
Ms. Kiran Anand

Teacher Editors

Dr. Poonam Anand
Dr. Ajit Singh Yadav
Dr. Jay Pal Singh
Dr. Geeta Gupta
Dr. Inayat
Dr. Pooja Saini
Dr. Shilpa Goyal
Dr. Renu Maheshwari
Mr. Vineet Nagpal

Student Editors

Hindi Section - Upasna, M.A. Hindi Final

English Section - Nishi Khatana, M.A. English Final

Sanskrit Section - Nagina, B.A. (III)

Note : Sole responsibility of the writers who have submitted the articles.

भावभीनी श्रद्धांजलि

परम श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता (लाला जी)

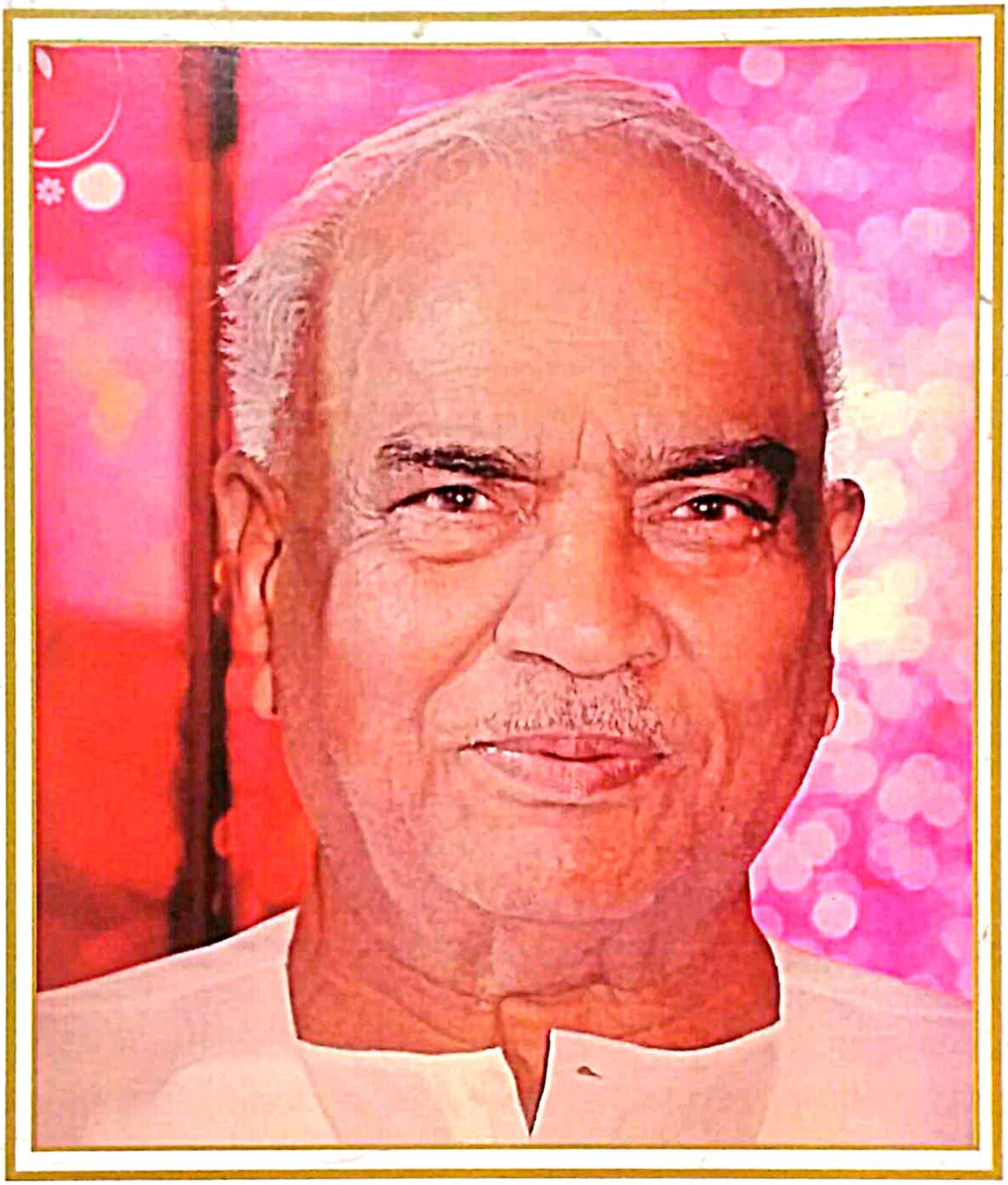

11-06-1932 - 01-10-2019

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः॥

परम आदरणीय लाला जी की क्षति अपूरणीय है, आपके महत् आदर्श हम सभी को प्रेरित कर जीवन के पग–पग पर पथ प्रशस्त करते रहेंगे।
कोटि–कोटि नमन।

चिरस्मरणीय एवं अनुकरणीय व्यक्तित्व

लाला रतन सिंह गुप्ता (लाला जी)

गीता के तृतीय अध्याय के २१वें श्लोक में कहा गया है
यद्यदाचारित श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते।।

श्रेष्ठ पुरुष जो-जो आचरण या जो-जो काम करते हैं, दूसरे मनुष्य भी वैसा ही आचरण, वैसा ही काम करते हैं वह श्रेष्ठ पुरुष जो प्रमाण या उदाहरण प्रस्तुत करते हैं, समस्त मानव समुदाय उसी का अनुसरण करने लग जाते हैं।

यह कथन परम आदरणीय लाला जी पर बिलकुल सटीक है। शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान अनुकरणीय है। लाला जी बल्लबगढ़ क्षेत्र के एक बहुत ही लोकप्रिय समाजसेवी एवं आकर्षक व्यक्तित्व के धनी थे। 87 वर्ष की अपनी जीवन यात्रा पूरी कर लाल जी दिनांक 01-10-2019 को प्रातः 10:10 पर प्रभु चरणों में लीन हो गए।

उनका जन्म 11-06-1932 को माता श्रीमती सिविया देवी व पिता श्री जगनी मल जी के आवास बल्लबगढ़ में हुआ। उनके परिवार में 3 भाई क्रमशः श्री रमेश चंद, श्री रामकिशन एवं श्री राम अवतार और 4 बहनें क्रमशः श्रीमती प्रेमवती, कलावती, शांति देवी एवं ग्यासो देवी थीं। लाला जी के पिता जी बल्लबगढ़ मेन बाजार में मोती राम जगनीमाल के नाम से खल बिनौला के थोक विक्रेता थे। लाला जी ने आठवीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में अग्रवाल हाई स्कूल, बल्लबगढ़ से उत्तीर्ण की एवं नवी कक्षा सरकारी स्कूल से पास की। लाला जी प्रारम्भ में अपने पिता जी के साथ दुकान पर काम किया करते थे। लाला जी की माता जी साहस, धैर्य एवं हिम्मत की धनी थीं। 1947 में जब हिन्दू-मुस्लिम सांप्रदायिक झगड़े हो रहे थे तब अपने आस-पास के लोगों को अपने घर पर सुरक्षित आश्रय देती थीं। वर्ष 1948 में जब बल्लबगढ़ में मकान बन रहा था तब ईंटों का एक चट्टा उनके ऊपर गिर गया जिससे उनका स्वर्गवास हो गया। उस समय लाला जी की उम्र मात्र 15-16 वर्ष की थी। माता जी के स्वर्गवास के उपरांत लाला जी के पिता जी ने 1949 में लाला जी का विवाह मेवली देहात निवासी लाला राम चंद (कोसी निवासी) की सुपुत्री शीला देवी जी के साथ संपन्न करवाया। इसके बाद ईश्वर के आशीर्वाद से उन्हें 3 बेटियों क्रमशः उर्मिला (1952), बीना (1954) और साधना (1962) एवं 2 सुपुत्र देवेन्द्र (1959) और रविंद्र (1965) के पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

वर्ष 1957 में लाला जी जन-सेवा के प्रति आकृष्ट हुए और मात्र 27 वर्ष की आयु में वर्ष 1959 में बल्लबगढ़ नगर पालिका का चुनाव लड़कर विजयी हुए। तत्पश्चात 1964 के नगर पालिका के चुनाव में भी विजयी रहे। लाला जी ने नगर पालिका बल्लवगढ़ के प्रधान पद का कार्यभार संभालकर सुचारू रूप से उसका निर्वाह किया। 1971 में रक्षा बंधन के दिन उन्हें ज्ञात हुआ कि बल्लबगढ़ शहर में मशहूर अर्जी नवीस राम चंद व उनके बेटे ने बाज़ार में एक आदमी को गोली मार दी जो उनके पड़ोस में आटा पीसने वाली चक्की चलाता था। यह सुनकर लाला जी व्याकुल हो गए और उन्होंने पूरे बाज़ार को बंद करने का एलान कर दिया। इस घटना से उनके मन में अन्याय के विरुद्ध लड़ने का भाव जागृत हुआ। लाला जी के कहने से बाज़ार में हड़ताल इस तरह हुई कि सभी रिक्शा चालक, चाय वाले, फैक्ट्री में काम करने वाले काम पर नहीं गए। फलस्वरूप गोली मारने वाले को सजा हुई।

वर्ष 1971 में अग्रवाल महाविद्यालय की स्थापना होने से पहले लाला जी ने कॉलेज को सुचारू रूप से चलाने के लिए अपने साथियों के साथ मुंबई, कलकत्ता, मद्रास, दिल्ली आदि अन्य स्थानों पर जाकर कॉलेज के लिए चंदा एकत्रित किया।

वर्ष 1973 से 1976 तक लाला जी अग्रवाल कॉलेज़ बल्लबगढ़ के प्रधान पद पर आसीन रहे और अग्रवाल महाविद्यालय को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए भरसक प्रयास किया। वर्ष 1980 से लेकर वर्ष 2015 तक लगातार 35 वर्षों तक वे अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के चेयरमैन और अग्रवाल कॉलेज के प्रधान पद को सुशोभित करते हुए शिक्षा के माध्यम से समाज-सेवा का महत कार्य करने के साथ-साथ ज़रूरतमंद लोगों की सहायता करते रहे। इस कार्यकाल में लाला जी ने अपनी सभा के सदस्यों के सहयोग से 5 एकड़ जमीन लेकर अग्रवाल पब्लिक स्कूल (सैक्टर-3, फरीदाबाद) की स्थापना की, मिल्क प्लांट सड़क, बल्लबगढ़ पर अग्रवाल महाविद्यालय के दूसरे संभाग एवं बी.एड. महाविद्यालय की स्थापना की।

इतना ही नहीं श्रद्धेय लाला जी ने गाँव मछगर में भी गरीब बच्चों के लिए अग्रवाल पब्लिक स्कूल की स्थापना की। उनके जीवन का एक ही उद्देश्य था कि सभी बच्चों को शिक्षा का लाभ मिले। बहुत से ज़रूरतमंद गरीब बच्चों को उन्होंने अपनी शिक्षण संस्थाओं में निःशुल्क शिक्षित किया ताकि वे अपने माता-पिता का नाम रोशन कर सकें। वे उन विद्यार्थियों की भी आर्थिक सहायता करते थे जिनके अभिभावकों के पास उच्च शिक्षा या ।।T जैसे संस्थानों में शिक्षा प्राप्त करने के लिए राशि का अभाव होता था। उदारमना लाला जी प्रति वर्ष गरीब प्रतिभावान विद्यार्थियों के भविष्य के लिए 1 करोड़ से अधिक की शुल्क राशि माफ करते थे। लाला जी के अनवरत प्रयास का ही सुफल है कि आज अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 15000 से अधिक बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा का नाम केवल फ़रीदाबाद ज़िले में ही नहीं अपितु सम्पूर्ण भारत वर्ष में शिक्षा के सन्दर्भ में अग्रणी है। इस संस्था से शिक्षित विद्यार्थी आज IAS, IPS, IRS, CA, Doctor, Engineer और अधिवक्ताओं के पदों पर कार्यरत होकर समाज में अपना योगदान दे रहे हैं।

पूज्य लाला जी एक सच्चे कर्मवीर व कर्मयोगी थे और उनको निरंतर काम में लगे रहना गीता के इस श्लोक को सार्थक करता प्रतीत होता है-

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते संङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

श्रद्धेय लाला जी की सामाजिक प्रतिष्ठा ऐसी थी कि वे शहर की ज़मीन व शादी-विवाह से सबंधित विवाद व अन्य झगड़े सभी पक्षों को विश्वास में लेकर सुलझाया करते थे। उनका व्यक्तित्व एक वट वृक्ष की भांति था- विराट-विशाल। वे अपनी बात के पक्के, हँसमुख, कार्य-कुशल और मिलनसार प्रवृत्ति के धनी थे। गर्मियों में वे सफेद धोती कुरता एवं जैकेट तथा सर्दियों में कमीज व कोट पैंट पहनते थे। यद्यपि उनकी क्षति अपूरणीय है तथापि उनके पार्थिव शरीर के ना रहने पर भी उनके जीवन आदर्श सभी के मन में अंकित रहेंगे। ऐसे अनुकरणीय व्यक्तित्व को कोटि-कोटि नमन।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the

Aggarwal College

Ballabgarh, Dist. Faridabad, affiliated to Maharshi Dayanand University ,
Haryana as

Accredited

with CGPA of 3.57 on seven point scale
at A^{++} grade
valid up to April 30, 2024

Date : May 01, 2019

Director

EC(SC)/39/RAR/HRCOGN10271

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Quality Profile

Name of the Institution : Aggarwal College

Place : Ballabgarh, Dist. Faridabad, Haryana

Criteria	*Weightage* (W_i)	*Criterion-wise Weighted Grade Point* ($Cr\ WGP_i$)	*Criterion-wise Grade Point Averages* ($Cr\ WGP_i/W_i$)
I. Curricular Aspects	100	400	4.00
II. Teaching-Learning and Evaluation	330	1113	3.37
III. Research, Innovations and Extension	104	336	3.23
IV. Infrastructure and Learning Resources	100	393	3.93
V. Student Support and Progression	118	447	3.79
VI. Governance, Leadership & Management	100	377	3.77
VII. Institutional Values and Best Practices	100	335	3.35
Total	$\sum_{i=1}^{7} w_i = 952$	$\sum_{i=1}^{7} (Cr\ WGP_i) = 3401$	

$$\textit{Institutional CGPA} = \frac{\sum_{i=1}^{7} (Cr\ WGP_i)}{\sum_{i=1}^{7} W_i} = \frac{3401}{952} = \boxed{3.57}$$

Grade = $\boxed{A^{++}}$

Date : May 01, 2019

Director

- This certification is valid for a period of *Five* years with effect from May 01, 2019
- An institutional CGPA on seven point scale is the range of 3.51 - 4.00 denotes A** grade, 3.26 - 3.50 denotes A* grade, 3.01 - 3.25 denotes A grade, 2.76 - 3.00 denotes B** grade, 2.51 - 2.75 denotes B* grade, 2.01 - 2.50 denotes B grade, 1.51 - 2.00 denotes C grade
- Scores rounded off to the nearest integer

EC(SC)/39/RAR/HRCOGN10271

मनोहर लाल
MANOHAR LAL

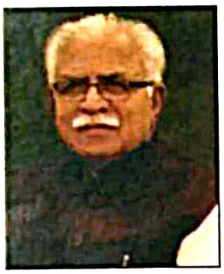

मुख्य मन्त्री, हरियाणा,
चण्डीगढ़।
CHIEF MINISTER, HARYANA,
CHANDIGARH.

Dated 21-7-2020

Message

It gives me immense pleasure to know that Aggarwal College Ballabgarh has decided to publish next edition of its magazine "SROT" for the academic session 2019-20.

Education is probably the most important tool which not only improves the knowledge and skill of the students, but also develops their overall personality and enables them to know their rights and duties toward society and nation. Therefore, the Haryana Government has adopted a multi-pronged approach to provide quality education to the students and has implemented a number of schemes and programmes to improve the quality of education at all levels.

Such journals disseminate information regarding various activities and achievements of educational institutions and also provide an opportunity to the budding writers to express their views on various aspects of life and broaden their horizon.

My best wishes for the successful publication of the magazine.

(Manohar Lal)

Prof. Dinesh Kumar
Vice-Chancellor
J.C. Bose UST, YMCA, Faridabad

MESSAGE

I am glad to know that Aggarwal College Ballabgarh is going to bring out the latest issue of its annual in-house magazine 'SROT'. The college magazine mirror s the different faces of development of the students in academic as well as co-curricular activities, and the achievements made by the institution in different areas.

Aggarwal College Ballabgarh has an excellent academic reputation since its inception in 1971. It has put the special thrust upon quality education and brought laurels to the city by producing a number of good students who had earned name and fame in various fields.

I am also glad to know that the College has recently been awarded with 'A++' Grade by NAAC and declared as College with Potential for Excellence by UGC. I congratulate the Students, Staff and Management of the college for th is commendable achievement. The college has set a benchmark for itself. It certainly attests that the college has maintained
the quality of its education.

I am sure that the College would continue to make significant contribution towards educating the student and enabling them to face the future challenges of their lives boldly.

I hope that this magazine will provide ample opportunities to the students to express their innovative ideas and hone up their talent and skills through the art of writing.

I extend my best wishes for the publication and wish all success to the College in its future endeavor

(Dinesh Kumar)

संदेश

देवेन्द्र कुमार गुप्ता
प्रधान
प्रबन्ध-समिति
अग्रवाल कॉलेज बल्लबगढ़

प्राचार्य महोदय,

अत्यन्त हर्ष का विषय है कि सत्र 2019-20 की महाविद्यालय पत्रिका 'स्रोत' का अंक आप प्रकाशित करवा रहे हैं। महाविद्यालय पत्रिका संस्था के सर्वांगीण विकास का दर्पण होती है। इसके माध्यम से हम विद्यार्थियों की रचनात्मकता और चिन्तन शक्ति को जान पाते हैं। 'कोविड-19 वैश्विक महामारी' के इस महासंकट में भी हमारे युवा भविष्य के प्रति आशावादी हैं।

निश्चित ही यह कठिन समय है और हम सभी को पहले की अपेक्षा अधिक सजग और सचेत होकर चलना होगा क्योंकि 'जीवन पथ पर मोड़ आए तो मुड़ना पड़ता है, उसे रास्ता बदलना नहीं कहते।'।

मेरी कामना है कि महाविद्यालय में शिक्षार्थ आए सभी विद्यार्थी पूरी लग्न व मेहनत से अपने जीवन लक्ष्य को प्राप्त करें। मैं सभी विद्यार्थियों के उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्राचार्य महोदय एवं संपादक मंडल को पत्रिका के नियमित प्रकाशन के लिए साधुवाद देता हूं।

देवेन्द्र कुमार गुप्ता

संदेश

डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता
प्राचार्य

प्रिय विद्यार्थियो,

शैक्षणिक सत्र 2019-20 की 'स्रोत' पत्रिका के प्रकाशन पर आप सबको बधाई। यह पत्रिका महाविद्यालय की समस्त गतिविधियों एवं उपलब्धियों का दस्तावेज़ होने के साथ-साथ आपके अभिव्यक्ति-कौशल के विकास व रचनात्मक-प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम भी है। आपने अपने मनोभावों को विभिन्न रचनाओं के माध्यम से प्रतिबिम्बित करने का सार्थक प्रयास किया है।

आप तो जानते ही हैं कि समय कभी एक-सा नहीं रहता, बदलता रहता है और अब कोरोना वैश्विक महामारी के आने से लॉक डाउन की स्थिति में जीवन जैसे थम-सा गया था - लेकिन जीवन एक अजस्र स्रोत है; रुकना, ठहरना या थमना स्रोत का विनाश है। जैसे नदी का प्रवाह अपने मार्ग में आने वाली बड़ी से बड़ी शिला की बाधा से भी रुकता नहीं; अपना रास्ता बनाते हुए निरंतर गतिशील रहता है वैसे ही हम सबको भी अपनी जीवन-शैली में बदलाव लाकर अपने जीवन-प्रवाह को स्वस्थ गति प्रदान करनी है। भारतीय संस्कृति की पुण्य-सलिला से ज्ञानामृत लेकर हम निश्चित ही एक नए भविष्य की नींव रख सकेंगे - ऐसा मुझे पूर्ण विश्वास है।

जिन के मज़बूत इरादे बने पहचान उन की,
मंज़िलें आप ही हो जाती हैं आसान उन की।

नवोदित रचनाकारों व छात्र-संपादकों को शुभकामनाएँ तथा पत्रिका के संपादन के लिए संपादक मंडल को हार्दिक बधाई।

डॉ० कृष्णकान्त गुप्ता
प्राचार्य एवं संरक्षक 'स्रोत'

संदेश

अमित विजय
महासचिव
अग्रवाल महाविद्यालय प्रबंध समिति बल्लबगढ़

प्राचार्य महोदय,

बहुत प्रसन्नता का विषय है कि आप सत्र 2019-20 की महाविद्यालय पत्रिका 'स्रोत' प्रकाशित करवा र
हैं। बदलती हुई परिस्थितियों पर विद्यार्थियों ने अपने विचार व्यक्त किए हैं, वास्तव में उनकी यह प्रतिभ
प्रशंसनीय है।

मैं पत्रिका प्रकाशन के लिए प्राचार्य एवं सपादक मंडल को बधाई देता हूँ।

Amit Vijay

अमित विजय
महासचिव
अग्रवाल महाविद्यालय प्रबन्ध समिति बल्लबगढ़

संपादकीय

सहृदय पाठको!

मानव सभ्यता के इतिहास में साहित्य अतीत का प्रतिदर्श, वर्तमान का प्रतिबिम्ब और भविष्य का मार्गदर्शक सिद्ध हुआ है। साहित्य का मूल उत्स जीवन है और जीवन की सद्-असद् परिस्थितियाँ रचनाकार के हृदय को प्रभावित करती हैं इसीलिए साहित्य को समाज का दर्पण माना जाता है। तेजी से अविराम दौड़ती भागती जिन्दगी ठहर गई - कोरोना महामारी से, सब बदल गया, देखते-ही-देखते, जो सोचा नहीं था - वो सच हो कर समक्ष आ गया - अकल्पनीय, अविश्वसनीय। सृष्टि का सर्वश्रेष्ठ प्राणी मानव एक छोटे से विषाणु से परास्त हो गया, जो स्वयं को प्रकृति का शासक समझ बैठा था और चिकित्सा के बल पर मृत्यु तक को जीतने का दंभ भरता था आज भयभीत, निरीह दिखाई देता है। भविष्य कैसा होगा? यह प्रश्न सबको सता रहा है, उत्तर ढूँढने का प्रयास वैज्ञानिक भी कर रहे हैं, समाजशास्त्री भी, चिकित्सक भी और रचनाकार भी। हमारे युवा रचनाकारों ने भी अपने मन की उथल-पुथल को अपनी रचनाओं में अपने-अपने ढंग से व्यक्त करने का प्रयास किया है। रचना अच्छी या बुरी नहीं होती - रचना केवल रचना होती है क्योंकि उसमें मानवीय मनोभावों, संवेगों और अनुभूतियों का चित्रण रहता है। परिस्थितियाँ कैसी भी निराशाजनक क्यों न हों साहित्यकार उनमें भी आशा के दीप जलाने की क्षमता रखता है इसीलिए उदास, दुःखी, निराश और शोकाकुल मन साहित्य की शरण में आकर शांति प्राप्त करता है। इस अंक में प्रकाशित रचनाएं आपके हृदय का संस्पर्श कर सकें, इसी आशा से 'स्रोत' पत्रिका का यह अंक सहृदय पाठकों को समर्पित है।

इस कठिन समय में भी पत्रिका के प्रकाशन के लिए प्राचार्य महोदय, संपादक मंडल व नवोदित रचनाकारों के सहयोग के लिए हार्दिक आभार।

किरण आनन्द

– किरण आनन्द

मुख्य संपादिका (हिन्दी विभाग)

अनुक्रम

वार्षिक विवरण		
नर हो न निराश करो मन को	राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त	1
स्मृति शेष (2019–20) बिछड़े सभी बारी–बारी		2
युवा चरित्र निर्माण में संस्कारों की भूमिका	नेहा	3
कविता	आँचल शर्मा	4
मेरी भाषा	शिवम शर्मा	4
मेरी कहानी, मेरी जुबानी	रितिका नागर	5
निर–सजीव पौधे	प्रगति पाण्डेय	6
जीवन का स्वरूप	प्रियंका त्यागी	6
"हिन्दी" मेरा अभिमान	चेतना	7
दोस्ती	कविता	7
प्रेम विस्तार है और स्वार्थ संकुचन	प्रगति पाण्डेय	8
यादें	निशा अग्रवाल	9
रहिमन धागा प्रेम का	चेतना	10
ढाई आख़र प्रेम के	नेहा सिंह	12
'स्व'–'पर' का भेद	मनोज कुमार	14
बाबा मैं कलेक्टर बन का दिखाऊँगी	रीतिका	15
स्वाभिमान	आरती	16
जुनून	कविता	17
मेरा प्रथम पुरस्कार	नैन्सी	18
जरा सोचिए	प्रीति	18
जल की पुकार	आरती	19
गुरु नानक देव–अनुकरणीय व्यक्तित्व	नगीना	20
बदलता हरियाणा, बढ़ता हरियाणा	अनुराधा	21
वर्तमान युग में गुरुनानक देव जी की शिक्षाओं की प्रासंगिकता	वर्षा	22
ईमानदारी एक जीवन शैली	आरती	23
ईमानदारी : जीवन की सर्वोत्तम नीति	गुंजन गोयल	24
जिन्दगी	वर्षा	25
पुस्तकों की आवाज़	विनय वशिष्ठ	25
भारत अस्मिता	प्रियंका त्यागी	26
सुविचार	नेहा वशिष्ठ	26
शिक्षकों को समर्पित कविता	सरिता चौधरी	27
महात्मा और खजूर	अर्चना	28
करुणा	उपासना	28
दिलचस्प है कोहिनूर का किस्सा	डॉ. जय पाल सिंह	29
हिन्दी हैं हम	सुभाष	30
राष्ट्र निर्माण में आर्य समाज का योगदान	वर्षा	31
गुरु नानक – अनुकरणीय व्यक्तित्व	काजल	35
ईमानदारी – एक जीवन शैली	चेतना	36
सियासत के गलियारों में	डॉ. देवेन्द्र	37
मेरी माँ ही मेरा आदर्श है	रीतिका	37
इशारा	प्रगति पाण्डेय	38
युवा चरित्र निर्माण में संस्कारों की भूमिका	रीतिका	39
ऐ ज़िन्दगी	रविना शाह	40
वक्त का पलटवार	सुप्रिया ढांडा	41
बूँद–बूँद अनमोल	अंजू	43
प्लास्टिक : वरदान या अभिशाप	छाया	44
मेरी माँ	शीतल शर्मा	45
सूर्य लाल गोला	शिवम शर्मा	46
दोगली ज़िंदगी	रुखसार मलिक	46
काशः समझ पाती	देविका कौशिक	47
प्रेरक पंक्तियाँ	मीनाक्षी	47
हार कहाँ मानी है	राजेश झा	48
कहाँ खो गई हूँ मैं	खुशी	48
मेरा एकांत	प्रगति पाण्डेय	49
सर्वव्यापी महामारी से लड़ने में जागरुकता का महत्व	नेहा ठाकुर	50
बदलती जीवन शैली	रीतिका नागर	52
मेरे भाव – मेरे विचार	रीतिका नागर	53
मेरी उड़ान	आरती तंवर	54
एक सलाम – कोरोना वारियर्स के नाम	नेहा	55
एन.सी.सी. प्रशिक्षण – एक स्वर्णिम अवसर	डॉ. पूजा सैनी	56
सरस्वती गीत	कविता	57
पथिकः भव	प्रगति पाण्डेय	57
सरस्वती वन्दना	आरती	58
गीतम्	कृष्ण कान्त झा	59
विद्यापीठ प्रशस्तिः	कृष्ण कान्त झा	59
आयुर्वेद	डॉ पूजा सैनी	60
आतंकवाद	मेघा	61
जलम्	योशिता	61
एहि एहि वीर रे	रविना शाह	62
माँ	रविना शाह	62
प्रयासः	नगीना	63
प्रेमधर्मः	नगीना	63
प्रकृतिः	नगीना	63
गुणा	रविना शाह	64
श्लोक	आरती तंवर	64

अनुक्रम

पर्यावरण	योशिता	65
श्लोक	योशिता	65
All Lives Matter	Dr. Sarika Kanjlia	66
Electricity turns Garbage into Graphene	Shweta	67
Importance of Moral Values in Life	Shikha Aggarwal	68
The Lie of Four Students	Manisha	69
The Imperfect Poem	Supriya Dhanda	70
The Role of Media in our Society	Nishi Khatana	71
The 3D's of Life-Determination, Dedication, Devotion	Kajal Mittal	72
The Rebirth of Bhola	Priyanka	74
A Happy Grammar Family	Priyanka	75
Do's and Don'ts of Reading	Priyanka	75
Need of Integrity	Aanchal Wadhwa	76
Global Warming	Anuj Shekha	78
Indian Education System	Pooja	79
India	Krishna Kant Mehto	80
Save Earth	Snehlata	81
Inspirational Story	Archna	81
Will the door ever open?	Subhash	82
Time	Vaishnavi	83
Zero is the Hero of Mathematics	Vaishnavi	83
Women	Upasana	84
Education is the Key of Success	Lishu Tiwari	85
Notes	Neetu	85
Let's Save the Environment	Radhika Bansal	86
Life in Times of Social Media	Kajal Singh	87
Water is Life	Aanchal Wadhwa	88
Haryana : A Wonderland	Sonia	89
Plastic Ban : Need of the Hour	Sonal	90
Integrity	Kajal Singh	91
Need of Integrity	Pooja Goyal	92
Great Freedom Fighter of India: Khudiram Bose	Dr. Jay Pal Singh	93
Digital Connectivity in Times of Lockdown	Sakshi Garg	94
Do Women Need Reservation?	Riya Nagpal	95
Wonders of Chemistry	Mehak Chawla	96
Cyber Crime	Meenakshi	98
Chemistry, Chemistry Chemistry	Lalit Sharma	99
How Do Vaccines Work?	Neha Kaushik	100
How to get Good Grades in College	Sakshi Gupta	
A Salute to Corona Warriors	Shivani Fogat	
Steps to Reform Indian Economy After Pandemic	Kajal Mittal	
Economic Fallout	Nikhil Yadav	
A Salute to Conora Warriors	Khushi Mittal	
Why to Avoid Excess Use of Onions and Garlic	Shiwani Gupta	
Account of Life	Sweta	
COVID-19 : Boon to the Nature	Ranj	
Online Teaching-Learning Process: Pros and Cons	Dr. Geeta Gupta	
Life during a Pandemic	Pushpa Singh	
Scope & Future of Blended Learning during COVID-19 in India	Pooja	
Can Solar Cells provide both Power & Drining Water	Sonal	
Corona Virsus	Pinki	

कोरोना वायरस प्रकृति के शोषण का नतीजा है। लॉकडाउन की वजह से बेशक आर्थिक सामाजिक और शिक्षा के क्षेत्र में काफी नुकसान हुआ है। लेकिन लॉकडाउन से काफी कुछ सीखने को भी मिला है। सरकार करोड़ों रुपये खर्च करके भी नदियों का साफ नहीं कर पाई। लेकिन लॉकडाउन में नदियां तो साफ हुई ही हैं. प्रदूषण भी पूरी तरह खत्म हो गया। लॉकडाउन की वजह से पूरे परिवार को एक साथ समय बीताने का मौका मिला है। यह कहना है अग्रवाल कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. कृष्णकांत का। डॉ. कांत इस दौरान जरूरतमंदों की मदद भी करते रहे हैं। पेश है पायनियर के वरिष्ठ [illegible] राजेश दास और डॉ. कृष्ण कांत की बातचीत के अंश :-

जीवन परिचय

क्विज में 500 छात्रों ने लिया हिस्सा

बल्लभगढ़, 30 मई, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। अग्रवाल महावि[illegible] बल्लबगढ़ ने आज एक ऑनलाइन लाइव क्विज प्रतियोगिता का आयोजन [illegible] क्विज के अग्रिम पंजीकरण के लिए दो दिन का समय दिया गया था। इस [illegible] के माध्यम से विद्यार्थियों के कोरोना वायरस से संबंधित जानकारी और बच[illegible] विषय में 30 प्रश्नों को पूछा गया। इसमे नेहा गुप्ता, म. द. विश्वविद्यालय [illegible] प्रथम, आकाश म. द. विश्वविद्यालय रोहतक द्वितीय एवं सुजाता अ[illegible] महाविद्यालय बल्लबगढ़ तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को क्रमश: 1[illegible] 700 एवं 500 रुपए का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। क्विज का आ[illegible] महाविद्यालय की यूथ रेड क्रॉस इकाई के कॉउंसलर डॉ जयपाल सिंह [illegible] डॉ कृष्णकांत के नेतृत्व में कराया। तकनीकी सहयोग विनीत नागपाल [illegible]

हिन्दुस्तान | 24 | [illegible] जुलाई 2019

शिक्षा नीति पर विचार व्यक्त किए

[illegible]दाबाद। बल्लभगढ़ [illegible] अग्रवाल [illegible]विद्यालय में [illegible] कार्यशाला [illegible] आयोजन हुआ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति [illegible]षय पर हुई इस कार्यशाला में बतौर [illegible] अतिथि एवं वक्ता शिक्षा संस्कृति [illegible]थान न्यास नई दिल्ली से राष्ट्रीय [illegible]चिव अतुल कोठारी पहुंचे।

अतिथि के साथ [illegible] के [illegible]लपति प्रो. डॉ. दिनेश कुमार और [illegible]स्थान के प्राचार्य डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता [illegible]दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ [illegible]या। प्राचार्य ने सभी को गुरु पूर्णिमा की [illegible]धाई दी। इसके बाद विषय की [illegible]संगिकता पर प्रकाश डालते हुए [illegible]मान समय में शिक्षा नीति में [illegible]लाव पर विचार रखे। मुख्य वक्ता ने [illegible]हा कि नई शिक्षा नीति में सुझाव तो [illegible]हुत हैं लेकिन उसमें व्यवहारिकता [illegible]नी होगी। (का.सं.)

डॉ कृष्णकांत बने नैक के सामान्य परिषद के सदस्य

फरीदाबाद, 29 मई, सत्यजय टाईम्स/रुपेश बंसल। उच्च शिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन एवं प्रत्यायन करने वाली संस्था राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद बंगलुरु अपनी सामान्य परिषद एवं कार्यकारी परिषद के माध्यम से कार्य करती है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिल्ली एवं नैक सामान्य परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल सिंह ने अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़ के प्राचार्य डॉ कृष्णकांत को नैक सामान्य परिषद का सदस्य नामित किया है। यह नामांकन डॉ कांत के विगत 30 वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में किये गए उत्कृट कार्यों का प्रतिफल है। ज्ञात हो की विगत वर्ष 2019 में नैक द्वारा महाविद्यालय को अ++ ग्रेड उत्रढअ 3.57 के साथ दिया गया और अग्रवाल महाविद्यालय नैक के संशोधित प्रत्यायन ढांचे में यह ग्रेड प्राप्त करने वाला देश का प्रथम महाविद्यालय बना जो की डॉ कृष्णकांत के गुणवत्ता संवर्धन के सतत प्रयाओं के द्वारा ही संभव हो सका। डॉ कांत ने यूजीसी

अध्यक्ष प्रोफेसर धीरेन्द्र पाल सिंह क[illegible] हृदय से आभार व्यक्त किया।

डॉ कांत का इस परिषद का सदस्[illegible] नामित होना उनके लिए व्यक्तिगत रू[illegible] से ही नहीं अपितु समस्त महाविद्याल[illegible] के लिए गौरव की बात है। इस विशे[illegible] अवसर पर महाविद्यालय प्रबंध समिति के प्रधान श्री देवेंद्र गुप्ता जी, उपप्रधा[illegible] डॉ वासुदेव गुप्ता जी, महासचिव श्री अमित विजय जी एवं कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों एवं महाविद्यालय के शिक्षक एवं गैर=शिक्षक कर्मचारियों ने ड[illegible] कांत को बधाई दी।

गुरुवार, 12 सितंबर 2019

हिन्दुस्तान

मुंबई में अग्रवाल कॉले[illegible] के तीरंदाजों ने पदक जी[illegible]

बल्लभगढ़ | हमारे संवाददाता

अग्रवाल कॉलेज के तीरंदाजों ने मुम्बई में आयोजित मुम्बई मेयर कप, नेशनल इंडोर तीरंदाजी प्रतियोगिता में अपने शानदार प्रदर्शन से धूम मचा दी। प्रतिभागियों ने अनेकों पदक जीतकर कॉलेज व क्षेत्र तथा राज्य का नाम रोशन किया है। मुम्बई कप, मुम्बई के अंधेरी वेस्ट के शिवाजी खेल परिसर में आयोजित हुई। आयोजन पांच से आठ सितम्बर 2019 तक हुआ।

नेशनल इंडोर तीरंदाजी प्रतियोगिता में भारत के विभिन्न महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के तीरंदाजों ने भाग लिया। इसमें कॉलेज के तीरंदाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बी.ए. द्वितीय वर्ष के निखिल ने टीम में रजत [illegible] प्रतियोगिता में भी रजत पदक प्रा[illegible] वहीं तरूण दीक्षित बी.ए.प्रथम [illegible] छात्र ने टीम में रजत व एकल प्र[illegible] में भी कांस्य पदक, विका[illegible] बी.सी.ए ने टीम में रजत, साग[illegible] टीम में रजत व जितेन्द्र कुमार बी.[illegible] ने टीम में रजत हासिल किया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कृ[illegible] गुप्ता ने खिलाड़ियों को बताया [illegible] मेहनत व लग्न सफलता प्राप्त [illegible] मूलमंत्र है। अग्रवाल कॉलेज [illegible] समिति के प्रधान देवेन्द्र गुप्ता त[illegible] डॉ.कृष्णकान्त गुप्ता, खेल संयो[illegible] के.एल कौशिक, डॉ. सुबेश [illegible] रामचन्द्र, शारीरिक शिक्षक डॉ. [illegible] सिंह ने इन खिलाड़ियों को बधा[illegible]

[illegible]WAL COLLEGE DONATES 3 LAKH 1 THOUSAND [illegible] TO CM CORONA RELIEF FUND

[illegible]arh(TTT):Dr. Krishnakant Gupta Principal of Agarwal College [illegible] cheque of Rs. 3 lakh 1 thousand to Transport Minister Mr. [illegible]d Sharma for Chief Minister Corona Relief Fund for the rescue [illegible] epidemic crisis. On the inspiration of Mr. Devendra Gupta, the [illegible] management committee, and on the call of Haryana College [illegible]ssociation and the institution of principals, all together per[illegible]s deserving work. Principal Dr Gupta told that NSS volunteers, [illegible] volunteers, Red Cross volunteers, and other students of the [illegible] making people aware of the symptoms and prevention of [illegible]ough social media & also told that during lockdown [illegible] studying online. For this, stud[illegible] material through WhatsA[illegible] presentations, videos [illegible] These sessions were also [illegible] Dr K.L Kaushik, Dr Nares[illegible] Office Deputy Superint[illegible] Manager Hermitage H[illegible]

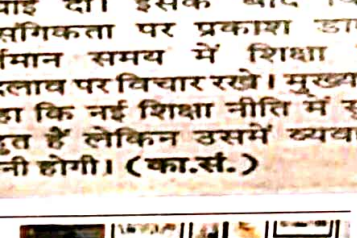

नई दिल्ली | रविवार, 29 सितंबर 2019 | 5

amarujala.com

"शिक्षा के साथ चरित्र निर्माण जरूरी"

हिन्दुस्तान | 0[illegible]

550वीं जयंती पर कार्यक्रम

बल्लभगढ़।अग्रवाल कॉलेज में शनिवा[illegible] को गुरु नानक देव की 550वीं जयंत[illegible] मनाई गई। इस उपलक्ष्य में शबद कीर्त[illegible] का आरम्भ किया गया। यह कार्यक्र[illegible] कॉलेज प्राचार्य डॉ.कृष्णकांत गुप्ता के मार्ग दर्शन में आयोजित किया गया।

गुरु नानक देव की 550वीं जयंती मनाने के समारोह में कॉलेज में इस वर्ष प्रत्येक महीने में एक कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया। जिसके तहत निबन्ध लेखन, भाषण प्रतियोगिता और गुरु नानक देव के [illegible]

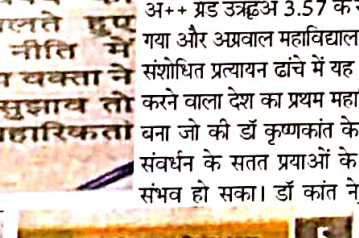

अग्रवाल महाविद्यालय ने राष्ट्री[illegible] निशाने बाजी में जीते पदक

63वीं राष्ट्र स्तरीय निशाने बाजी प्रतियोगिता जीत कर आने पर कॉले[illegible] स्वागत के दौरान कालेज प्राचार्य डा. कृष्णकांत गुप्ता व साथ है कालेज स[illegible]

[illegible]0 मीटर सीनियर पुरुष टी[illegible] [illegible]वर्ण पदक व इसी प्रतियोगि[illegible] [illegible]0 मीटर वग मे भी स्वर्ण पद[illegible] [illegible]या। महाविद्यालय प्राचा[illegible] [illegible]ष्णकांत ने विजयी खिलाड़ि[illegible] [illegible]भकामनाएं दी तथा उनके उ[illegible] [illegible]ष्य की कामना करते हुए [illegible] [illegible]नत करने की सीख दी [illegible]का उत्साहवर्धन किया। [illegible]सर पर महाविद्यालय के [illegible]ता कमलटंडन, किरण अ[illegible] संयोजक डा. के.एल. कौ[illegible] [illegible]नरेश कामरा, डा. जयपाल [illegible]रीरिक शिक्षक डा. जगवीर [illegible] मोहित हुड्डा उपस्थित थे

अमर उजाला

नए विद्यार्थियों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया

रविवार, 29 सितंबर

हिन्दुस्तान

अग्रवाल कॉलेज में शुरू हुई चरित्र निर्माण पर तीन दिवसीय कार्यशाला, कॉलेज के पूर्व छात्र रहे शहीद भगवान शर्मा को श्रद्धांजलि दी गई

संस्कार समन्वित शिक्षा पर जोर दें तभी युवा होनहार बनेंगे : मूलचंद शर्मा

कार्यशाला

पंचकोश अवधारणाओं पर चर्चा की गई

Aggarwal College Ballabgarh

Near Milk Plant, Ballabgarh - 121 004
Phone : 0129-2308348, 2308349
Website : www.aggarwalcollege.org, **E-mail :** aggpgcollege@gmail.com

A Brief Profile

Aggarwal College Ballabgarh (Estd. 1971), is a post graduate co-educational institution affiliated to M.D. University, Rohtak. It is situated in Ballabgarh, Distt. Faridabad on NH-2, a part of the National Capital Region and is approx. 45 km from Indira Gandhi International Airport, New Delhi. The college is running 7 under graduate, 5 Hons. and 8 post graduate courses. Besides 30 certificate courses, 5 diploma courses, 3 advance diploma courses, six add-on courses, two vocation degree courses sponsored by University Grants Commission, New Delhi are also running to equip students with market oriented innovative skills and to make them self-sufficient & self-dependent.

The total students strength is 4550. There are 125 qualified and trained faculty to effectively implement the teaching, learning and evaluation process. The college has 13 Computer labs having 720 PC/nComputing devices with Wi-Fi and Internet facilities. The central library of the college has OPAC and is a regular subscriber to N-LIST and INFLIBNET. Beside 65 class rooms, there are 16 smart class rooms for using ICT tools in teaching and learning. The college has three NSS units and two NCC units.

To provide value oriented holistic education, particularly to the rural areas, college has some good practices like Mentoring System, Cultural Activities, Sports Club, Red Ribbon Club, Entrepreneur Club, Equal Opportunity Cell, Online Feedback from stakeholders and a number of fora/societies of different streams. In order to sustain quality education and to set the benchmark in holistic education, the college is being guided by Internal Quality Assurance Cell (IQAC) which sets goals for the overall development of the institution. A number of our students have outperformed in Sports & Cultural activities and brought laurels to the college both at National and International Level.

The college has been accredited 'A^{++}' Grade with CGPA 3.57 by NAAC in 2019.

The college has been granted 'College with potential for Excellence' (CPE) status by UGC, New Delhi.

Mentor Institution under 'PARAMARSH' Scheme of UGC in 2019.

MAKE IN INDIA

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर